मोहयाल मित्र

नवरात्रों पर विशेष

इस वर्ष शारदीय नवरात्र 21 सितम्बर गुरुवार से आरम्भ होगें। घर स्थापित करने का शुभ समय सुर्योदय से बाद एक घण्टा तक या 6:20 सुबह 7:45 सुबह के बीच कभी भी कर सकते हैं।

नवरात्र वर्ष में दो बार आते हैं। प्रथम चैत्र में द्वितीय अश्विन में। यह शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक होते हैं। इस प्रकार माँ दुर्गा के नौ रुपों की नौ दिनों तक पूजा होती है। नौ दिनों तक नवदुर्गा की पूजा होने के कारण इसे नवरात्र कहते हैं। स्नानादि से शुद्ध होकर मण्डप में दुर्गाजी की मूर्ति स्थापित करें। दायीं ओर कलश की स्थापना करें, कलश के सामने मिट्टी और रेत मिलाकर जौ बोएँ। मण्डप के पूर्वी छोर पर दीपक स्थापित करें। प्रथम गणेश जी की पूजा व फिर शेष देवी–देवताओं का पूजन करें। दुर्गा सप्तशती का पाठ लाभकारी होता है।

कुमारी पूजनः

आठ या नौ दिनों तक पूजा के बाद कुमारी कन्याओं को खिलाना चाहिए। संख्या में दो से नौ तक तथा आयु 1–10 वर्ष तक होनी चाहिए। पूजन व कुमारी भोजन के पश्चात् सिर पर अक्षत छुड़वाऐं व उन्हें दक्षिणा दें। इस प्रकार माँ भगवती प्रसन्न होती हैं और मनोरथ पूर्ण करती हैं।

माँ शैलपुत्रीः

प्रथम पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में हैं। ये समस्त वन्य जीव–जन्तुओं की रक्षक हैं।

माँ ब्रह्मचारिणीः

द्वितीय ब्रह्मचारिणी माँ की समस्त विद्याओं का ज्ञाता माना जाता हैं। इनकी अराधना से अनन्त फल की प्राप्ति होती है। पूर्व जन्म में यह पार्वती रूप में थी।

माँ चन्द्रघण्टाः

तृतीय माँ चन्द्रघण्टा मस्तक पर घण्टे के आकार का चन्द्रमा धारण करती हैं। माँ चिरायु, आरोग्य, सुख व सम्पन्नता का वरदान देती हैं।

माँ कुष्माण्डाः

चतुर्थ देवी भक्तों की रोग, शोक व विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल व बुद्धि प्रदान करती हैं। जीवनी शक्ति भी देती हैं।

माँ स्कन्दमाताः

भगवान स्कंद की माता होने के कारण यह पंचम रूप स्कंदमाता कहलाता हैं। माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छः सिर वाली देवी का है अतः इनकी पूजा में छः मूर्तियाँ सजानी चाहिए।

माँ कात्यायनीः

षष्ठ रूप देवताओं व ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने के लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई थी उनकी पुत्री होने के कारण इन्हें माँ कात्यायनी कहते हैं। यह दानवों व पापियों का नाश करने वाली माँ हैं।

माँ कालरात्रिः

सातवाँ रूप देखने में भयावह अवश्य है किन्तु शुभफल देने वाला है। इन्हें शुभंकारी भी कहते हैं। शत्रु व दुष्टों का संहार करती हैं।

माँ माहागौरीः

अष्टम् माँ उत्पात्ती के समय आठ वर्षों की थी इसी कारण इनकी पूजा आठवें दिन की जाती हैं। यह अन्नपूर्णा के समान है इसलिए आठवें दिन कन्या पूजन का विधान हैं।

माँ सिद्धिदात्रीः

नौवीं माँ सिद्धदात्री हैं। यह सभी सिद्धियों की दाती हैं। इनकी पूजा से सभी मनोकामना पूर्ण होते हैं।

विरेन्द्र कुमार छिब्बर, *(ज्योतिष आचार्य)*
EA-94 इन्द्रपुरी नई दिल्ली 110012 मो. 9818094655

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

"भक्त शिरोमणी हनुमान जी"

भक्त शिरोमणी हनुमान जी का जन्म भगवान शंकर के अंश से वायु द्वारा कपिराज केसरी की पत्नी अंजनी द्वारा हुआ। मर्यादा पुरूषोतम श्री रामजी की सेवा भगवान शंकर अपने रूप से तो कर नहीं सकते थे अतः उन्होंने ग्याहरवें रूद्र रूप को वानर रूप में अवतरित किया। मर्यादा पुरूषोत्तम श्री राम के सर्वश्रेष्ठ भक्त के रूप में हनुमान जी सबके लिए वंदनीय हैं। अजर, अमर, अतुलित, बलशाली, ज्ञानियों में अग्रणी, समसत गुणों की खान श्री रामभक्त हनुमान जी के विषय में तो ऐसी भी मान्यता है कि जहाँ भी श्रीराम जी की कथा और कीर्तन होता है, वहाँ वे अवश्य विराजमान होते हैं।

जन्म के कुछ समय पश्चात् इन्होंने उगते हुए सूर्य को लाल–लाल फल समझ कर निगलने के लिए आकाश की ओर दौड़ पड़े। उस समय सूर्य ग्रहण का समय था। राहु ने देखा कोई दूसरा सूर्य को पकड़ने आ रहा है। वह हनुमान जी को पकड़ने गया परन्तु उनके बेग से डर कर भाग गया। राहु इन्द्र के पास मदद माँगने गया। इन्द्र ऐरावत पर चढ़ कर कहाँ गए। ऐरावत को भी कोई सफेद फल समझ कर हनुमान उन्हें पकड़ने के लिए लपके। घबराकर इन्द्र ने अपने वज्र से इनकी ठोडी कुछ टेडी हो गई। इसी से इन्हें हनुमान के नाम से पुकारा जाने लगा। बचपन से माता अंजना से इन्होंने अनादि रामचरित मानस सुना था। किष्किंधा आने पर इन्हें ज्ञात हुआ कि प्रभु ने अयोध्या में अवतार ले लिया। अब ये बड़ी उत्कंठा से अपने प्रभु के आने की प्रतीक्षा करने लगे।

रावण द्वारा सीताहरण के पश्चात जब वे सीता जी को ढूंढते हुए ऋष्यमूक पर्वत पर पहुँचे तो सुग्रीव ने इन राजकुमारों का परिचय जानने के लिए हनुमान जी को भेजा। ब्राह्मण वेश में जाकर जब हनुमान जी ने अपने स्वामी राम जी को पहचाना तो रोते हुए उनके पैरों में गिर पड़े। श्री रामजी ने उन्हें उठाकर गले से लगा लिया। तत्पश्चात् वे अपने स्वामी के पास ही रह कर उनकी सेवा में लग गए और सीता जी की खोज भी की। वन से वापस आयोध्या आने पर राज्याभिषेक हो जाने पर भगवान राम ने सबको पुरस्कृत किया।

जानकी जी ने अपनी सबसे कीमती मणियों की माला कंठ से उतारकर हनुमान जी के गले में डाल दी। वे उन मोतियों को ध्यान से देख–देखकर तोड़ने लगे। उन्हें ऐसा करते देख किसी ने इसका कारण पूछा तो हनुमान जी बोले– मैं इनमें अपने प्रभु राम की छवि ढूंढ रहा हूँ। प्रश्न करने वाले ने पूछा क्या आपके शरीर में वह मूर्ति है? तो हनुमान जी ने तुरंत अपने नाखुनों से अपनी छाती फाड़ कर दिखाया वहाँ सीता सहित रामजी सिंहासन पर विराजमान थे। सब उनकी जय–जयकार करने लगे। श्रीराम ने उन्हें गले से लगा लिया और हनुमान जी ने उनसे पृथ्वी पर अमर होने का वरदान माँग लिया।

रंजना छिब्बर
ई.ए. 94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली, मो. 9913695790

बेवकूफ बन गए

वर्ष भर देश में कोई न कोई त्यौहार, उत्सव होता रहता है। हर उत्सव पर कोई न कोई चंदा माँगने वाला आता ही रहता है। एक दिन चंदे वाली पर्चियों की किताब लेकर एक सज्जन हमारे घर पधारे और कहने लगे कि गणपति उत्सव का आयोजन अपने मौहल्ले में किया जा रहा है तो आपके नाम कितने चंदे की पर्ची काट दें। हमने इंकार की भूमिका बनाई। वैसे हमें यह ज्ञात था कि ये उत्सव के आयोजन करता है। प्रायः देखा गया है कि कुछ फूँककर तमाशा बनाते है कुछ व्यक्ति नाम कमाने के लिए चंदे के पैसों से उत्सव आदि का आयोजन करते हैं। उन्होंने फिर मांग की कि आपके नाम कितने की पर्ची काट दें। हमने सोच समझ कर सौ रुपए देने चाहे परन्तु वह सज्जन बोले, साहेब क्या बात कर रहे हैं इतना बड़ा आयोजन करने जा रहे हैं हम तो पाँच सौ, हजार से कम तो लेते ही नहीं है, हमने मन ही मन में सोचा कि ऐसा कौन सा अखिल भारतीय उत्सव मनाने जा रहे जिसके लिए यह सज्जन पाँच सौ हजार रुपए चंदा मांग रहे हैं।

हम बड़े असमंजस में थे कि इतना चंदा तो मैं नहीं दूँगा। लेकिन वो सज्जन कम से कम पाँच सौ लेने पर अड़े रहे। आखिर में वह सज्जन एक सौ रुपए लेकर चले गए। उन सज्जन ने हमसे कहा कि उत्सवों के लिए चंदा लेना भी काफी कठिन कार्य है। सुबह से शाम तक शहर व मोहल्ले में घूमने पर जनता की जेब से पैसा निकलता ही नहीं है। चंदा अभियान के दौरान हमें लगता है कि जैसे पूरा मोहल्ला हमसे कतरा रहा है। मानो हम इंसान न होकर कोई महामारी है। जहाँ भी जाते हैं घरों के दरवाजे बंद मिलते हैं या फिर घर पर ही नहीं मिलते है। इन सब बाधाओं के बाद हमने चंदा एकत्र किया। कोई माने या माने चंदा माँगने वाले बेवकूफ बनाने का एक चलता फिरता कारखाना है। इसमें जान पहचान वाले जल्दी बेवकूफ बन जाते हैं क्योंकि वे शर्म के मारे माँगी गयी रकम दे देते हैं। कई व्यक्ति अपनी इच्छा अनुसार ही चंदा देते हैं या साफ इन्कार भी कर देते हैं। व्यक्ति गरीब परिवार की व अनाथालय मदद नहीं करते, परन्तु धर्म के नाम पर उत्सवों के लिए चंदा जरूर देते हैं।

सत्येन्द्र छिब्बर
17/653, चोपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर राजस्थान

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

यमुनापार- दिल्ली

मोहयाल सभा यमुनापार की मासिक मीटिंग प्रधान श्री सतीश बाली जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन के हाल में सम्पन्न हुई, 30 सदस्य मीटिंग में शामिल हुए। सबसे पहले मोहयाल प्रार्थना पढ़ी गई और प्रधान सतीश बाली जी ने एक जरूरी

सूचना देते हुए बताया कि "अर्से से 'के.वाई.सी–कारणों' से बंद पड़ा बैंक एकाउंट नयी टीम ने शुरू करवा लिया है, जिसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं" तालियों से सभी ने इसका स्वागत किया।

1. सचिव संजीव बाली ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ी और बैंक एकाउंट सम्बंधित जरूरी जानकारियों से सभा को अवगत करवाया। भविष्य में बैंक एकाउंट सुचारू रूप से चलता रहे इसके लिए जरूरी कार्यवाही लगातार होती रहे, इसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया। अगले माह तक सभी को सूचना पहुँचाने के माध्यम को सुधारा जाना है, सभा अपना एक 'मेम्बरशिप–डाटा' भी बना रही है जिससे नए सदस्यों को सभा की गतिविधियों की जानकारी होती रहे "मोहयाल सभा यमुनापार–ऐप" इसी सम्बन्ध में एक प्रयास है जिसका अपडेट वर्जन उपलब्ध है सभी उसे गुगल–प्ले–स्टोर से मुफ्त डाउनलोड कर सकते हैं।

2. श्री श्याम सुन्दर मोहन जी ने सदस्य उपस्थिति को बढ़ाने पर और श्री कुलभूषण छिब्बर जी ने सदस्यता बढ़ाने पर प्रकाश डाला।

3. श्री धनेश दत्ता जी ने नई टीम को शुभकामनाएं दी और 'एकाउंट–मामलों' में अपनी सेवाएँ सभा को प्रस्तुत की जिसका सभी ने स्वागत किया।

4. श्री राजिन्द्र वैद जी ने कहा कि जैसा मैंने पिछली मीटिंग में भी कहा था– "प्रधान जी, मोहयाल सभा यमुनापार का 'गोल्डन टाइम' आ गया है", सभा अपने तय मापदंड के अनुसार चल रही है कोई भी संस्था आगे की ओर अग्रसर होती है यही वह मिलकर और तय एजेंडे पर काम करेगी, जल्द की कोई पिकनिक या भ्रमण का कार्यक्रम होना चाहिए जिसमें अधिक से अधिक युवा, महिलाओं और बच्चों को शामिल किया जाना चाहिए।

5. श्री मदन लाल वैद जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके पौत्र पौत्री की तरफ से सभा को 500 रुपए और मिठाई का डिब्बा भेजा गया सभी ने बच्चों का धन्यवाद किया और माननीय श्री मदनलाल वैद जी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

6. श्री विनोद बाली, मैसर्स दुर्गा बेकरी, श्री राजिन्द्र वैद, श्री दलीप सिंह दत्ता, संजीव बाली प्रमुख दानकर्ता रहे।

(नोटः ज्ञात रहे मोहयाल सभा यमुनापार आर्थिक रूप से कमज़ोर मोहयाल–माताओं–बहनों को हर माह कुल 7200 रुपए देती हैं आप चेक से या कैश सभा को दान दें)

7. कैशियर अनिल वैद की अनुपस्थिति का सभी ने संज्ञान लिया, सभा को सूचित किया गया कि उनकी स्वास्थ ठीक नहीं है, सभी ने उनके जल्द स्वस्थ होने की सभी ने कामना की।

विशेष सभी ने प्रधान (जी.एम.एस. दिल्ली), मोहयाल रत्न रायज़ादा बलदेव दत्त बाली जी (जन्मदिवस 11 अगस्त) को उनके आने वाले जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दी।

अगली मीटिंग 3 सितंबर को 10:30 बजे मोहयाल भवन झील कुरंजा में होगी, अंत में सभी ने चाय पान किया और प्रधान जी ने सभी का धन्यवाद किया।

संजीव बाली (बंटी), *सचिव*
मो. 9811758418

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक दिनाँक 6.08.2017 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाली प्रार्थना के बाद भाई लक्ष्मण देव छिब्बर जी के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

बधाईः मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से जीएमएस के प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली जी को उनके जन्मदिवस 11 अगस्त के उपलक्ष्य में हार्दिक बधाई, भगवान उनको दीर्घायु व स्वस्थ रखे ताकि वे हमारी बिरादरी की इसी तरह सेवा करते रहें।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए भाई लक्ष्मण देव परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466213488

पानीपत

मोहयाल सभा पानीपत की मासिक बैठक 23 जुलाई 2017 को श्री लवनीश मेहता जी के न्यूफ्रेंडस कॉलोनी स्थित निवास स्थान पर प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना एवम् गायत्री वंदना के पश्चात निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई:

1. श्री राम बाली जी का गत दिनों दिल्ली में निधन हो गया था वे श्री राहुल बाली जी के पिताजी थे।

2. श्री रणदीप छिब्बर जी का रूकड़ी (अंबाला) में निधन हो गया था वे श्री अशोक दत्ता जी व श्रीमती कृष्णा दत्ता के दामाद थे।

3. श्री सुनील दत्ता जी का यमुनानगर में निधन हो गया था वे श्रीमती जनकरानी जी के सुपुत्र थे।

4. श्रीमती सुषमा दत्ता जी का यमुनानगर में देहांत हो गया था वे डॉ. रविंदर दत्ता जी की धर्मपत्नी थी।

प्रधान श्री कैलाश वैद काफी समय के पश्चात मीटिंग में आए थे, सदस्यों ने उनका फूल माला डालकर स्वागत किया तथा उनके जल्दी स्वस्थ होने कि कामना की। श्री वैद जी ने अपनी तबीयत के चलते पानीपत सभा का प्रधान बने रहने में असमर्थता जताई, जिस पर कि सभी सदस्यों ने उन्हें चीप पैटर्न बनने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया, सदस्यों ने लम्बे आरसे तक श्री कैलाश वैद जी के किए हुए कार्यों की प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि उनके पिता श्री प्यारेलाल वैद जी का भी सभा में उल्लेखनीय योगदान रहा ।

मीटिंग में सर्वसम्मति से श्री ऋत मोहन जी को सभा का प्रधान चुना गया, साथ ही सर्वश्री राजकुमार दत्ता, बृजमोहन छिब्बर, नवीन वैद व श्री लवनीश मेहता जी को सभा का उपप्रधान बनाया गया। श्री नरिंदर छिब्बर को महासचिव, श्री नितिन दत्ता जी को सचिव, सर्वश्री विजय मेहता, जितेंदर मेहता को सह–सचिव, श्री रमन दत्ता जी को संगठन सचिव, श्री दीपक बाली जी को कोषाध्यक्ष, श्री भूपिंदर दत्ता जी को प्रचार सचिव, श्री नरेंदर दत्ता जी को इवेंट सचिव बनाया गया।

मास्टर विवान दत्ता ने डॉ. एम.के.के. स्कूल के फैंसी ड्रेस कम्पटीशन में प्रथम स्थान पाया उनके माता पिता श्रीमती नेहा दत्ता व श्री नितिन दत्ता जी को बधाई दी गई।

श्री सुरिंदर दत्ता जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई, साथ ही श्रीमती रणजीत कौर व श्रीमती वीणा छिब्बर जी के स्वस्थ होने की कामना ईश्वर से की गई।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई, जलपान की व्यवस्था व मीटिंग के आयोजन के लिए श्रीमती प्रवीण मेहता, श्रीमती पूजा मेहता, श्री लवनीश मेहता व श्री सुमित मेहता जी का धन्यवाद किया गया।

नरिंदर छिब्बर, *सचिव*
मो. 941642184, 8222023131

कुरूक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरूक्षेत्र की बैठक दिनांक 6.08.2017 को निवास स्थान श्री संतोष वैद की अध्यक्षता में 15 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा का आरंभ हुआ, प्रधान जी ने उपस्थित सदस्यों को मोहयाल भवन के स्थान के बारे में अवगत कराया गया तथा दो तीन स्थानों के बारे में बिचार विमर्श किया।

सतीश मेहता के साले ललित कुमार लुधियाना निवासी जो कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं के शीघ्र स्वास्थ्य की कामना की गई।

मोहिंदर बक्शी जी ने जलपान के लिए प्रधान जी का धन्यवाद किया गया। गायत्री मंत्र के साथ सभा का समापन हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान*

सिरसा

आज दिनांक 01.08.2017 को प्रधान मदनलाल दत्ता की अध्यक्षता में मोहयाल सभा की मीटिंग बुलाई गई। सभा का गायत्री मंत्र से शुभारंम्भ हुआ, सभा में 20 भाई बहनों तथा बच्चों ने भाग लिया। रमेश कुमार छिब्बर सचिव ने ऋत मोहन पानीपत धन्यवाद किया क्योंकि उन्होंने रमेश कुमार का तबादला अंबाला से फतेहाबाद करवाया है। रमेश कुमार जी हरियाणा रोडवेज में कार्यरत हैं।

प्रधान जी ने भी ऋत मोहन जी का धन्यवाद किया। बच्चों को स्कॉलरशिप के फार्म भरने को कहा है। सभी सदस्यों ने जीएमएस अध्यक्ष श्री बी.डी. बाली साहिब का भी धन्यवाद किया, जिनकी देख रेख में सभाएँ सुचारू रूप से चल रही हैं। श्रीमती ओमा दत्ता जो कि प्रधान जी की पत्नी है ने भी सभा में अपने विचार रखे।

सभी सदस्यों ने प्रधान जी का चाय–पान का आयोजन के लिए धन्यवाद किया। सभी एक दूसरे का हाल चाल जान के सभा समाप्त हुई।

मदनलाल दत्ता, *प्रधान*
मो.: 8570994004

रमेश कुमार छिब्बर, *सचिव*
मो. 8607410014

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नजफगढ़-नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 06.08.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़ नई दिल्ली 110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 18 भाई बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

शोक समाचारः प्रधान श्री शेर जंग बाली जी के जीजा जी श्री सुरेन्द्र सिंह दत्ता जी का देहांत 15 जुलाई 2017 को मुंबई में हुआ, सभी ने दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सभी सदस्यों ने हरिद्वार, ऋषिकेश टूर 29, 30 व 31 दिसम्बर का प्रोग्राम बनाया है। इसके लिए प्रधान जी ने श्री हर्ष दत्ता सचिव व वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता को ट्रांसपोर्ट व मोहयाल आश्रम हरिद्वार में 25 कमरे बुक करने की जिम्मेदारी दी है।

प्रधान जी ने सूचित किया की प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान व जरूरतमंद की आर्थिक सहायता के फार्म 20 अगस्त तक मोहयाल सभा नजफगढ़ में दे दें, ताकि 31 अगस्त तक जीएमएस में दे दिया जाएँ।

दानराशिः श्री गोपाल मोहन छिब्बर ने अपनी सुपुत्री तनुज वैडस अनुजा की शादी 18 अप्रैल 2017 के उपलक्ष में 2100 रुपए तथा श्री प्रशांत छिब्बर वैडस नेहा छिब्बर सुपुत्र स्व. विजय छिब्बर ने अपनी शादी 28 अप्रैल 2017 के उपलक्ष्य में 2100 रुपए मोहयाल सभा नजफगढ़ को दिए।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग 3 सितंबर 2017 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास पर होगी। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेर जंग बाली, *प्रधान* — *मो.: 9871756765*

हर्ष दत्ता, *सचिव* — *मो. 9312174583*

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशियारपुर की एक बैठक प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कालोनी ऊना रोड में हुई। बच्चों को लगाई जाने वाली पेंशनों के बारे में चर्चा हुई। प्रधान श्री श्याम सुन्दर दत्ता जी ने कहा कि जीवन में किसी को भी दुःख नहीं पहुँचाए। हर एक कर्म का फल हमें इस जीवन में ही भोगना पड़ेगा।

प्रधान जी ने सभी को रक्षा बंधन तथा कृष्णा जन्माष्टमी की बधाई दी। प्रभु के आगे हर समय रोते न रहें कि प्रभु आपने हमें कुछ नहीं दिया। प्रभु ने हमारा सुन्दर शरीर जो बना दिया है इसका जन सेवा में सहयोग करो।

इस अवसर पर मनोज दत्ता, ओंकार बाली, उपप्रधान श्री दिनेश दत्ता, श्री शशिपिन्द्र बाली, श्री पवन मैहता तथा एच.एल. बाली उपस्थित थे।

महिला मोहयाल सभा देहरादून

देहरादून महिला मोहयाल सभा ने तीज का त्योहार प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी के निवास स्थान पर मनाया। सबसे पहले प्रार्थना और फिर गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया तीज के इस त्योहार में सभी महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिसमें सावन के गीतों पर नृत्य भी किया। बच्चों ने भी अपनी कला दिखाई और बहुत सारे खेल भी खेले। जिसमें श्रीमती इंदु बाली दत्ता जी, श्रीमती दीपिका मोहन जी इनाम के हकदार बने और बच्चों में अवनी शर्मा वैद ने नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रेमनगर से आई संतोष बाली जी ने भी कार्यक्रम की रौनक बढ़ाई। रंग बिरंगे परिधान में सभी इतने सुंदर दिख रहे थे मानो सारी सावन की घटा एक जगह आकर छा गई है। सभी ने झूला भी झूला और स्वादिष्ट जलपान का आनंद लिया और एक दूसरे को तीज की बधाई दी और श्रीमती सविता मेहता का धन्यवाद किया।

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर की मासिक बैठक 5.07.2017 को श्रीमती रेणु छिब्बर के निवास स्थान पर सभी सदस्य बहनों ने भाग लिया। गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद श्रीमती कमला दत्ता की अध्यक्षता में मीटिंग शुरू हुई।

सभी बहनों ने श्रीमती तारा रानी वैद जी की उनकी पोती की शादी पर बधाई दी।

श्रीमती सूरज वैद जी ने अपनी प्रिय बेटी संजय रानी जो सांसारिक यात्रा पूरी करके चली गई हैं उनके जन्मदिन 13 जुलाई पर स्त्री सभा यमुनानगर को 500 रुपए भेंट किए, भगवान उसकी आत्मा को शांति दें।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

■ स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती रमन जी के निवास स्थान पर हुई, सभा की सब बहनों भाग लिया, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई।

सभा में सभी बहनों ने नये सदस्य बनाने के लिए कहा। प्रधान श्रीमती कमला दत्ता जी ने बताया कि मोहयाल आश्रम यमुनानगर बनना शुरू हो गया है, सभी बहनों को यह जान कर बड़ी खुशी हुई। सभी सदस्यों ने रायज़ादा बी.डी. बाली जी के जन्मदिन (11 अगस्त) पर बधाई दी भगवान उनकी दीर्घायु रखे और वो ऐसे ही बिरादरी के लिए कार्य करते रहे।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती वीना वैद, श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती निशा मोहन, श्रीमती बाला मेहता और श्रीमती भगीरथी बाली ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*

भावभीनी श्रद्धांजलि

अत्यंत दुखी हृदय से सूचित किया जाता है कि श्रीमती मोहिनी बाली जी पत्नी श्री ज्ञान चंद बाली जी का 14.06.2017 को विदेश में आकस्मिक निधन हो गया है समस्त मोहयाल सभा पाँवटा साहिब शोकाकुल बाली परिवार की इस दुःख की घड़ी में उनके साथ हैं भगवान शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहने की ताकत दें।

परमपिता परमेश्वर से कातर स्वर में प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को चिरशांति परिवारजन को इस वज्राघात को सहने की शक्ति प्रदान करें। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें!

मुनीश वैद, *जनरल सेक्रेटरी एमएस पाँवटा साहिब*
मो. 9418023850

श्रीमती दर्शना देवी का देहान्त

श्रीमती दर्शना देवी पत्नी स्वर्गीय श्री जनक सिंह छिब्बर का देहान्त 2 दिसंबर 2016 को हुआ है। उनके पुत्र सुखपाल सिंह छिब्बर और पुत्रवधु मीनाक्षी छिब्बर ने 200 रुपए की राशि जीएमएस को भेजी है।

उनकी बेटी सुशमा रानी दत्ता और दामाद सुरेश दत्ता, उनकी पोता मुस्कान छिब्बर और जागृत छिब्बर व दोहती सोनाली दत्ता, दोहता राहुल दत्ता हैं।

ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

श्री रामप्रकाश मेहता जी की तीसरी पुण्य तिथि

पूजनीय पिता श्री रामप्रकाश मेहता जी को स्वर्गवास हुए (24 जुलाई 2017) को तीन वर्ष हो गए। श्री रामप्रकाश मेहता जी, स्वर्गीय भाई श्री हाकम राय छिब्बर व श्रीमती वीरा वांली छिब्बर जी के सुपुत्र थे। सेवानिवृति के बाद अधिकांश समय सामाजिक व धार्मिक कार्यों में लगाया। मंदिर श्री लाल द्वारा यमुनानगर तथा भाई मतिदास गुरूद्वारा, बूढ़िया से उनका विशेष लगाव रहा। हमेशा से ही सादा जीवन जीने वाले श्री मेहता जी का न केवल अपने बच्चों में बल्कि अपने पोते पोतियों के लिए भी प्रेरणा स्रोत थे। अपने भाइयों तथा बेटों को वे हमेशा भाई जी (करियाला के छिब्बर होने की वजह से) कहके पुकारते थे। इन तीन वर्षों में शायद ही कोई ऐसा दिन होगा जब परिवार को इनकी याद न आई हो। वर्ष में तीन चार बार वह अपनी धर्म पत्नी (हमारी माता जी) के साथ गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जाया करते थे।

इस वर्ष हमारे परिवार को बहुत बड़ा सदमा तब लगा जब कि पूजनीय माता श्रीमती शीला देवी जी भी 22 मार्च, 2017 को इस संसार को छोड़कर चली गई। देव तुल्य माँ–बाप के चले जाने के बाद परिवार के सदस्य, भाई–सर्वश्री कीमत प्रकाश छिब्बर व सुभाष छिब्बर, सुपुत्र सर्वश्री नरिंदर छिब्बर, सुरिंदर छिब्बर, देवेन्द्र छिब्बर, सतपाल छिब्बर व वीरेन्द्र छिब्बर, बहुएँ,–श्रीमती अंजू छिब्बर, मधु छिब्बर, अलका छिब्बर, मीनू छिब्बर व ऋतु छिब्बर, पोते–पवन, सुमिल, गौरव, यश व तुषार तथा पोतियाँ–ऋचा, कंचन व भाविका समेत सभी उनको प्रतिदिन याद करते हैं। परिवार ने इस अवसर पर 1000 रुपए की राशि ''श्री रामप्रकाश मेहता (छिब्बर) एवं श्रीमती शीला देवी मेहता (छिब्बर) ''ट्रस्ट में भेंट की।

नरिंदर छिब्बर, *पानीपत (मो. 9416412184)*

स्वर्गीय पं. सोमनाथ शास्त्री लव

शास्त्री जी सनातन धर्मी थे तथा धर्मोपदेशक भी थे। अपने उपदेशों में वे समझाते थे कि पृथ्वी ग्रह पर सभी तरह के जीव ''पुनरअपि जननम, पुनरअपि मरणम'' के चक्र में ही रहते हैं इसलिए मन, वचन और कर्म से शुद्ध होकर परमात्मा के किसी भी आदि नाम (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) के नाम का रोजाना जाप करें, यही तुझे परमात्मा की शरण में ले जा सकता है अन्यथा जीवन मरण का यह चक्र चलता रहेगा।

श्रद्धाराम सनातन धर्म हायर सेकेंडरी स्कूल लाजपत नगर, नई दिल्ली के संस्थापक, संचालक तथा संरक्षक प्रातः स्मरणी पं. नरसिंह लाल जी सचमुच में यथा नाम तथा गुण के धनी थे वे सचमुच में नरों में नर थे सिंहों में सिंह थे तथा लालों में लाल थे। शास्त्री जी

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

ने इस विद्यालय में सन् 1954 से 1956 तक हिन्दी संस्कृत का अध्यापन कराया तथा मैं भी आदरणी पंडित जी के श्री चरणों में पहली सितंबर 1958 से 16 जुलाई 1960 तक अध्यापक रहा था। दोनों ही श्रद्धावत नत मस्तक हैं।

परमात्मा का स्मरण करते हुए मेरे चाचा श्री का वैकुण्ठ वास 13 सितंबर 2003 को हो गया। परमात्मा ने उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दिया यही यथार्थ है। श्री नरेन्द्र लव (भतीजा) ने 500 रुपए जनरल मोहयाल के शिक्षा फण्ड में भेंट किए।

नरेन्द्र लव (भतीजा)
गोवर्धन बिहारी कालोनी, शाहदरा दिल्ली 110032
मो. 9911564481

"ज्ञान की बातें"

(1) मंदिर में प्रवेश करने से पहले चप्पल बाहर क्यों उतारते है?

मंदिर में नंगे पाँव प्रवेश करने के पीछे कारण यह है कि मंदिर के फर्शों का निर्माण पुराने समय से अब तक इस प्रकार किया जाता है कि ये मैग्नैटिक और इलैक्ट्रिक तरंगों का सबसे बड़ा स्रोत होते हैं। जब इन फर्शों पर नंगे पाँव चलते हैं तो अधिकतम ऊर्जा पैरों के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर जाती है, जिससे शरीर के कई रोग दूर हो जाते हैं।

(2) मंदिर में भगवान की मूर्ति को गर्भगृह के बिल्कुल बीच में क्यों रखा जाता है?

मंदिर में भगवान की मूर्ति को गर्भगृह के बिल्कुल बीच में रखने के लिए ऐसा माना जाता है कि इस जगह पर सबसे अधिक ऊर्जा होती है, जहाँ सकारात्मक सोच से खड़े होकर पूजा करने से शरीर के अंदर भी सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर भाग जाती है।

(3) आरती के पश्चात् दीपक पर हाथ क्यों घुमाते हैं?

आरती के बाद सभी दीये या जलते कपूर पर हाथ रखते हैं और फिर सिर पर लगाकर आँखों पर भी स्पर्श करते हैं। ऐसा करने से हल्के गर्म हाथों से दृष्टि की इन्द्री सक्रिय होकर बेहतर महसूस करती है और आँखों की थकान भी दूर होती है।

रंजना छिब्बर
ई.ए. 94, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली, मो. 9913695790

नटखट मोहन

नन्हा बालक बनकर मोहन, तुम मेरे घर जब आओगे।
आँख मिचौली खेलोगे, फिर कंठ मेरे लग जाओगे।
ठुमक ठुमक कर चलोगे जब, हम सब का दिल बहलाओगे।
हम आस लगाए बैठे है, आने वाले कब आओगे?

चंचल चपल शरारत करके, मन ही मन इतराओगे।
तुतला कर जब तुम बोलोगे, बचपन की याद दिलाओगे।
श्यामल चितवन सिर मोर मुकुट, तुम बंसी मधुर बजाओगे।
हम आस लगाए बैठे हैं, आने वाले कब आओगे?

मैं जब रूठुंगी तुमसे मोहन, तुम मुझे मनाने आओगे।
मैं जल्दी से ना मानूँगी, तुम बार बार समझाओगे।
भक्तों का रखो मान प्रभु, वर्ना निष्ठुर कहलाओगे।
हम आस लगाए बैठे हैं, आने वाले कब आओगे?

मैं भिक्षुक हूँ तुम दाता हो, क्या यूँ ही मुझे बहकाओगे।
इस शिकवे में है प्यार भरा, तुम प्रेम सुधा बरसाओगे।
मन में "सुषमा" के आन बसे, छवि अपनी देख तो पाओगे।
हम आस लगाए बैठे हैं, आने वाले कब आओगे?

सुषमा बाली
मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली
मो. 9818967830

रक्त दान

एक एक बूँद रक्त की
कहती हैं
दान कर रक्त का
रक्त दान कर
रुधिर कहता है
देख मेरा रंग है एक
रक्त भेद न कर
दान कर रक्त का
रक्त दान कर
रक्त की लालिमा बने सूर्योदय की
कहीं, वह जो.... तिल... तिल.. मर रहा है।
रक्त के आभाव से
उसकी आशा धूमिल न कर....
दान कर रक्त का
रक्त दान कर!!!

आभा मोहन
mail- aabha_mh@rediffmail.com

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल मित्र घर-घर पहुँचे

मोहयाल मित्र जब भी महीने की आखिर तारीखों में घर पहुँचता हैं और इसको पढ़ने के बाद मन को ऐसा लगता है कि जैसे किसी रिश्तेदार की चिट्ठी आई है और चिट्ठी (मोहयाल मित्र) पढ़ने के बाद घर के सभी सदस्यों रिश्तेदारों का हाल–चाल जान लिया हो। मोहयाल बिरादरी के हमारे बुर्जग जो इस दुनिया से बिछड़ कर और हम को छोड़ कर स्वर्ग सिधार गए हैं इसकी जानकारी जब मोहयाल मित्र से मिलती है सुनकर दुख होता है और जब इसकी चर्चा हम घर में अपने बुर्जगों से करते हैं तो वे यह ऐसे दुखद समाचार सुनकर अफसोस प्रकट करते हैं और अतीत में चले जाते हैं और पाकिस्तान में बचपन की बीती बातों को सुनाने लगते हैं। बुर्जगों का मोहयाल मित्र से लगाव बहुत ही ज्यादा है। मोहयाल मित्र में बच्चों के जन्म–दिन की तस्वीरें और बड़े बच्चों की शादी की तस्वीरें देखकर ऐसा प्रतीत होता है और आखों में थोड़ी लाली आती है जिससे मोहयाल मित्र के ये तस्वीरों वाले पन्ने ब्लैक एंड वाईट होकर भी रंगदार लगने लगते हैं। जी.एम.एस. द्वारा मोहयाल बिरादरी के शिक्षावान बच्चों को पुरस्कृत करना और मोहयाल मित्र में इनका गुणगान बहुत ही अच्छा कार्य है।

''मोहयाल मित्र के बढ़ते कदम कुछ ऐसे आगे निकल आये हैं।
जो चेहरे मोहयालों के कभी नहीं देखे, वो मोहयाल मित्र ने हमें दिखाये हैं।''

मोहयाल कौम देश की सबसे उत्तम और निडर कौम है। यह कौम से सप्त ऋषि की सन्तान हैं और इनकी बहादुरी के किस्सों से देश का इतिहास भरा पड़ा है जाहिर है इस गर्म खून, गर्म जोशीले वाले बिरादरी के लोगों और देश में छूटी कौम को एक मंच पर लाना बहुत ही कठिन कार्य है। पर मैं बधाई देता हूँ हमारे सर्वमान्य श्री बी.डी. बाली साहेब को जिन्होंने अपनी जी.एम.एस. की पूरी संचालक टीम के साथ मिलकर इन सब मोहयालों को जोड़ा ही नहीं बल्कि तरक्की के ऐसे हिमालय पर स्थापित कर दिए हैं जहां देश की दूसरी कौमों के हर कोई व्यक्ति इनको टकटकी लगाए देख रहा है कि काश हम भी इनकी तरह होते और समाज में इस बारे में मेरा व्यक्तिगत अनुभव है। मैं दुआ करता हूँ कि श्री बी.डी. बाली जी के दिशा निर्देश से पूरी मोहयाल बिरादरी और तरक्की करें।

मोहयाल मित्र के अंग्रेजी और हिन्दी के संपादक बहुत ही अच्छी समझ रखते हैं। मोहयाल बिरादी बड़े–बड़े अफसर, राजनेता, अभिनेता और जो समाज के बड़े–बड़े कार्यों से जो लोग जुड़े हैं उनका वर्णन मोहयाल मित्र में अक्सर होता है जो बच्चों के लिए प्रेरणा स्रोत है। मोहयाल मित्र में संपादकों द्वारा अंग्रेजी और हिन्दी में सरल भाषा का प्रयोग हर किसी की समझ के अनुरूप है। संपादकों द्वारा अपना वक्त मोहयाल मित्र और सामाजिक कार्यों के लिए देना बहुत ही सराहनीय कार्य है।

मैं जी.एम.एस. को एक सुझाव भेज रहा हूँ कि जितनी भी भारत वर्ष में नगरों कस्बों में मोहयाल सभाऐं हैं उनको लिखकर भेजे की मोहयाल मित्र को घर–घर में पहुँचाने का कार्य करें और सदस्य बनाऐं जो सबसे सराहनीय कार्य होगा। पूरी मोहयाल कौम को नतमस्तक प्रणाम।

मोहयाल मित्र का सबके घर–घर होना, बहुत ही जरूरी है।
इस मित्र के बिना मोहयालों के बारे में जानकारी अधूरी है।।

-रविन्द्र मेहता 'लौ'

मोहयाल मित्र : सुझाव

'मोहयाल मित्र' जी.एम.एस. कार्यालय नई दिल्ली से प्रत्येक महीने की आखिरी तारीख को 'इन्द्रप्रस्थ डाक व्यवसाय केन्द्र' कोटला रोड नई दिल्ली–110002 से भेज दी जाती है। हमारा प्रत्येक सभा के प्रधान एवं सचिव से अनुरोध है कि वे अपनी सभा के एक प्रतिनिधि को नियुक्त करें जो अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर से प्रत्येक महीने के प्रथम सप्ताह में संपर्क करके वहाँ डाके के आने की जानकारी लेकर एवं जब पोस्ट आफिस में डाक आती है और उसमें 'मोहयाल मित्र का' थैला/बंडल आता है, पोस्टमास्टर से आज्ञा लेकर अपने सामने छंटवाई करवा सकता है, ऐसा करने से हमें आशा है कि सभी सदस्यों को ठीक समय पर 'मोहयाल मित्र' मिल सकेगा एवं पोस्टमैन को भी सहूलियत होगी।

उपरोक्त प्रक्रिया हाल ही में हमने एक–दो मोहयाल सभा से प्रयोग करके देखा है। जिसका परिणाम बहुत संतोषजनक रहा और उस क्षेत्र से हमें 'मोहयाल मित्र' न मिलने की अभी तक एक भी शिकायत नहीं मिली है।

आप भी कृपया ऐसा करके देखें।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गीता - सार

- क्यों व्यर्थ में चिन्ता करते हो? किससे व्यर्थ डरते हो? कौन तुम्हें मार सकता है? आत्मा न पैदा होती है, न मरती है।
- जो हुआ, वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है। जो होगा, वह भी अच्छा ही होगा। तुम भूत का पश्चाताप न करो। भविष्य की चिन्ता न करो। वर्तमान चल रहा है।
- तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो? तुम क्या लाये थे, जो तुमने खो दिया? खाली हाथ आए, खाली हाथ चले गए। जो आज तुम्हारा है, कल किसी और का था, परसों किसी और का होगा। तुम इसे अपना समझकर खुश हो रहे हो। बस यही तुम्हारे दुःखों का कारण है।
- परिवर्तन ही संसार का नियम है। मेरा–तेरा, छोटा–बड़ा, अपना–पराया मन से मिटा दो, विचार से हटा दो, अब तुम सबके हो।
- न यह शरीर तुम्हारा है, न तुम शरीर के हो। यह अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश से बना है और इसी में मिल जायेगा। परन्तु आत्मा स्थिर है, तुम अपने आपको भगवान को अर्पित करो। यही सहारा है। जो इस सहारे को जानता है, वह भय, चिन्ता शोक से सर्वदा मुक्त हो जाता है। सब कुछ भगवान को अर्पण कर, तो तू जीवन मुक्त हो जाएगा।

।। मोहयाल प्रार्थना ।।

ऊँ स्वस्ति। ऊँ परम पिता परमात्मा को हमारा प्रेमपूर्वक नमस्कार। ऊँ स्वस्ति। सभी सुखी हों। सब का कल्याण हो। सबका आपस में प्रेम हो। सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें। सब उसी में अपना भला समझें जिसमें सबका भला हो, हित हो, लाभ हो। मन, वचन और कर्म से कोई दूसरे की हानि न करे। हम एक दूसरे के प्रति प्रेम भाव रखों। दूसरों की बातों को धैर्य और शांतिपूर्वक सुनें। अपनी बातें मधुर शब्दों में कहें। हम निःस्वार्थ भाव से अपने समाज की भलाई के लिए कार्य करें।

जय मोहयाल

MOHYAL ASHRAMS
HARIDWAR & VRINDAVAN

1. **Rooms can be booked on line, one month in advance.**
   Haridwar web site:
   www.mohyalashramharidwar.in
   Vrindavan web site:
   www.mohyalashram.co.in
2. **Bookings can also be done on telephone and at the counter.**
3. **Rooms can be booked on twin sharing basis for a maximum of 3 days. Checkout time is 12 noon.**
4. **Booking Amount is Rs.300/ per room. The amount will be forfeited if booking is not cancelled at least 48 hrs before booking date. The deposit can be refunded or kept in suspense for two months for future booking if cancellation is done 48 hrs in advance.**
5. **Bulk booking (more than 3 rooms) can be done only after prior approval of GMS.**
6. **Consumption of tobacco, liquor and non-vegetarian food in the premises of the Ashram is strictly prohibited.**
7. **Persons in inebriated condition will be denied entry to the Ashram.**
8. **There is no room service—meals have to be taken in the dinning hall.**
9. **Pets are not allowed in the premises of the Ashram.**
10. **Guests are requested to bring alongwith them their photo identity --same is required for each occupant of a room.**
11. **Guests are requested not to keep the mortal remains (Asthis) of their near and dear ones in their rooms in the Ashram. In order to avoid inconvenience to Guests coming from long distances, four lockers have been installed at Mohyal Ashram Haridwar.**
12. **On line booking facility for rooms in Sewa Sadan, Haridwar is not available. Rooms can be booked for one month, extendable by 15 days depending on availability of accommdation.**
13. **In case of any inconvenience Guests are requested to speak to the Manager of the Ashram / GMS.**
14. **Guests are requested to fill the feedback form before their departure.**

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor